A–1042

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL(N)-202

संस्कृत व्याकरण

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. कर्मधारय समास का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

2. चौदह माहेश्वर सूत्रों का उल्लेख कर उनके इत् संज्ञक वर्णों को चिह्नित कीजिये।

3. पाठ्यपुस्तक आधारित पांच कृदन्त प्रत्ययों का परिचय दीजिए।

अथवा

संस्कृतव्याकरण के दो प्रमुख प्राचीन एवं नवीन ग्रन्थों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. प्रातिपदिकार्थं लिङ्गपरिमाण वचन मात्रे प्रथमा इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।

5. उपसर्ग कितने प्रकार के हैं। किन्हीं पाँच उपसर्गों का उल्लेख कर उदाहरणों की सिद्धि करें।

अथवा

व्याकरणशास्त्र की उत्पत्ति एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. व्याकरणशास्त्र के मुख्य प्रयोजन पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'षिद्गौरादिभ्यश्च' सूत्र के बारे में बताईए।

2. तद्धित प्रत्ययों का सामान्य परिचय दीजिए।

3. केवल समास का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

4. कारक किसे कहते है ? वर्णन कीजिये।

अथवा

प्रयत्न कितने प्रकार के होते है उनकी व्याख्या करें।

5. लिङ् निमित्ते लृङ् क्रियातिपत्तौ इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।

6. रामश्चिनोति इस प्रयोग का सूत्र सहित व्याख्या कीजिए।

7. गुण संज्ञा की परिभाषा करते हुये नायकः प्रयोग की सिद्धि कीजिये।

8. व्याकरणशास्त्र के मुनित्रय का परिचय दीजिए।

****